यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2023

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 11 आगम

अंक -100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

प्रश्न 1. जोड़ी मिलाइये- **5**

1. सागर के समान	A. 22
2. अकीर्ण अश्व	B. भारवाहक
3. विषम मार्ग	C. बहुश्रुत
4. उववाई	D. जीव
5. उपयोग	E. पराक्रमी

प्रश्न 2. संख्या में लिखिएः- **5**

1. सिद्धो की उत्कृष्ट अवगाहना .....
2. एक सिद्ध समस्त आत्म प्रदेशों द्वारा कितने सिद्धो को संस्पर्श किये हुए है? .....
3. स्थावर के भेद कितने (तत्वार्थ सूत्र के अनुसार) .....
4. वृक्ष का पका हुआ सफेद पत्ता कितने समय पर गिर जाता है? .....
5. कितने प्रकार से व्यवहार करने वाला अविनीत कहलाता है? .....

प्रश्न 3. अर्थ पढ़कर गाथा लिखिए ? **10**

1. सिद्ध सब दुःखो को पार कर चुके है, जन्म, बुढ़ापा तथा मृत्यु के बंधन से मुक्त है! निर्बाध, शाश्वत सुख का अनुभव करते है?

.....

.....

2. औपशमिक भाव के औपशमिक सम्यक्त्व और औपशमिक चारित्र ये दो भेद है?

.....

.....

3. गुण की समानता होने पर भी सदृश पुद्गलो का बंध नहीं होगा ?

.....

.....

4. धर्मास्तिकाय और अधर्मास्तिकाय के प्रदेश असंख्यात है! पुद्गलों के प्रदेश संख्यात, असंख्यात और अनन्त होते है?

.....

.....

5. जो मुनी पीठ पीछे कदापि किसी का अवर्णवाद नहीं बोलता तथा प्रत्यक्ष में विरोधी भाषा नहीं बोलता एवं जो निश्चयकारिणी और अप्रियकारिणी भाषा नहीं बोलता वह पूज्य होता है?

.....

.....

.....

प्रश्न 4. सही गलत निशान लगाइयेः– **10**

1. नाम, स्थापना, द्रव्य, भाव इन चार प्रमाण द्वारा जीवादि तत्वों का न्यास होता है– ( )
2. पारिणामिक भाव के अन्तर्गत मिथ्यादर्शन नहीं आता है– ( )
3. जम्बूद्वीप तथा लवणोदधि आदि शुभ नाम वाले असंख्येय द्वीप समुद्र मध्यलोक में है? ( )
4. वे पारगत है– मृत्युरहित है ( )
5. जिस प्रकार दुष्ट घोड़ा चाबुक से प्रेरित किये जाने पर रथ को वहन करता है– ( )
6. मेधावी मुनी गुरूओ के शिक्षा वचन सुनकर, पाँच महाव्रत तीन गुप्ति, चार कषायों से रहित हो जाता है ( )
7. गौतमस्वामी अप्रमादी होने के कारण सर्वार्थसिद्ध में गए– ( )
8. सन् 2024 में लोग कहेंगे मोक्ष उपलब्ध नहीं है, किन्तु इस समय तुझे न्यायपूर्ण (मोक्ष) मार्ग उपलब्ध है,अतः गौतम समयमात्र का भी प्रमाद मत कर ( )
9. मगधदेश में उत्पन्न अश्वों में कन्थक अश्व आकीर्ण और वेग में श्रेष्ठ होता है– ( )
10. जिस प्रकार कालोदधि समुद्र नानाविध रत्नो से परिपूर्ण उसी प्रकार बहुश्रुत भी होते है– ( )

प्रश्न 5. प्रश्न का उत्तर लिखिए **15**

1. सभी वृक्षों में श्रेष्ठ वृक्ष कौनसा है वह कौनसा देव का है?

.....

2. पंद्रह कारणों से साधु सुविनित कहलाता है उसमें कोई 4 कारण बताइये ?

.....

.....

3. कौन-कौन सा जीव उत्कृष्टतः असंख्यात काल तक उसी में जन्म मरण करता है?

.....

4. धर्म पर श्रद्धा होने पर भी उसका काया से स्पर्श करने वाले क्यों दुर्लभ है?

.....

.....

5. कौनसा मुनि पुज्य होता है?

.....

.....

6. कौन अग्नि की शुश्रुषा करता हुआ जागृत रहता है?

.....

.....

7. किस प्रकार के मनुष्य को मोक्ष नहीं होता ?

.....

.....

8. किसके वचनों का पालन करने से शिक्षा बढ़ती है? जैसे जल से सीचे हुए वृक्ष बढ़ते है?

.....

9. गुण किसे कहते है?

.....

.....

10. असुरकुमार के दक्षिणार्द्धपति इन्द्र की एवं उत्तरार्द्धपति इन्द्रो की उत्कृष्ट स्थिति लिखिए?

.....

.....

11. जम्बूद्वीप में कितने क्षैत्र है? कितने वर्षधर पर्वत है?

.....

12. मनः पर्यायज्ञान एवं अवधिज्ञान की प्रवृति का अन्तर बताइये?

.....

.....

.....

13. तत्वार्थ सूत्र में आचार्य उमास्वाती ने त्रस संज्ञा कौन-कौनसे जीवों को दिया गया ?

.....

14. सिद्धों की जघन्य अवगाहना कितने वह कौनसे मनुष्य की अपेक्षा है?

.....

15. किसके सुख को कितनी बार वर्गवर्गित किया जाए तो भी मुक्ति सुख के समान नहीं हो सकता?

.....

प्रश्न 6. अर्थ लिखिए **30**

1. एक प्रदेशादिषु भाज्यः पुद्गलानाम्।

.....

.....

2. जहा से सयंभुरमणे उदही अक्खओदए।
नाणारयणपडिपुण्णे एवं हवइ बहुस्सुए।

.....

.....

.....

3. तन्मध्ये मेरूनाभिर्वृत्तो योजनशतसहस्रविष्कम्भो जम्बूद्वीपः।

.....

.....

4. वसे गुरुकुले निच्चं, जोगवं उवहाणवं।
पियंकरे पियंवाई से सिक्खं लद्धु मरिहइ।।

.....

.....

.....

5. ग्रहाणामेकम् नक्षत्राणामर्धम्।

.....

6. चिच्चाण धणं अ भारियं, पव्वइओ हि सि अणगारियं।

मा वन्तं पुणो वि आइए, समयं गोयम! मा पमायए।

.....

.....

.....

7. लब्ध्युपयोगौ भावेन्द्रियम् ।

.....

.....

.....

8. धम्मं पि हु सद्दहन्तया, दुल्लहया काएण फासया।,

इह कामगुणेहिं मुच्छिया।

.....

.....

.....

9. अलोलुए अक्कुहए अमायी, अपिसुणे यावि अदीणवित्ती।

नो भावए, नो वि य भावियप्पा, अकोउहल्ले य सया, स पुज्जा।।

.....

.....

.....

10. न चक्षुरनिन्द्रियाभ्याम्।

.....

.....

.....

11. तहेव सुविणीयप्पा, देवा जक्खा य गुज्झगा।

दीसंति सुहमेहंता इड्ढिं पत्ता महायसा

.....

.....

.....

12. सक्का सहेउं आसाए कंटया, अओमया उच्छहया नरेणं।

अणासए जो उ सहेज्ज कंटए, वईमए कण्णसरे, स पुज्जो।।

.....

.....

.....

13. संघट्टइत्ता काएणं, तहा उवहिणामवि।
'खमेह अवराहं मे' वएज्ज' न पुणो' त्ति य।।

.....

.....

.....

14. एक्का य होइ रयणी, साहीया अंगुलाइं अट्ठ भवे।
एसा खलु सिद्धाणं, जहण्णओगाहणा भणिया।।

.....

.....

.....

15. कहिं पडिहया सिद्धा, कहिं सिद्धा पडिट्ठिया ?
कहिं बोदिं चइत्ता णं, कत्थ गंतूण सिज्झई।।

.....

.....

.....

प्रश्न 7. रिक्त स्थान पूर्ण कीजिएः- **15**

1. जह णाम ..... वियाणंतो।
2. असरीरा ..... णाणे य।
3. मतिः स्मृतिः ..... इत्यनर्थान्तरम्।
4. औपशमिक ..... परिणामिक।
5. जम्बूद्वीप ..... द्वीप समुद्रा।
6. दशाष्ट ..... कल्पोपपन्नपर्यन्ताः।
7. शरीर ..... नाम
8. जे य चंडे ..... सढ़े।
9. कालं ..... हेउहिं।
10. चरे मुणी पंचरए ..... पुज्जो।

11. संघट्टइत्ता ..... उवहिणामवि।

12. देवे नेरइए य ..... संवसे।।

13. अकलेवरसेणिमुस्सिया ..... गच्छसि।

14. नीयावत्ती ..... अकुऊहले।।

15. जहा से ..... सुरक्खिए।

प्रश्न 8. इन गाथाओ का तीसरा चरण लिखिए– **10**

1. खुप्पिवासाए परिगया, ...।

2. इहलोगस्स कारणा, ...।

3. गुरूमिह समयं पडियरिय मुणी, ...।

4. पच्चक्खओ पडिणीयं च भासं, ...।

5. पुढ़वी–कायमइगओ .....।

6. आंयका विविहा फुसंति ते .....।

7. कलह–डमरवज्जए– .....।

8. जहा से संयभूरमणे– .....।

9. इय सिद्धाणं सोक्खं– .....।

10. कुसग्गे जह ओसविन्दुए एवं, ...।